. BA sociology 5th semester unit 2—Radha Kamal Mukherjee

Dr Vandana associate professor
sociology B.s.n.v PG College Lucknow

राधा कमल मुकजी-मूल्यों से संबंधित नियम- राधा कमल मुकर्जी ने मूल्यों से संबंधित नियम बताया है मुखर्जी के अनुसार मूल्यों से संबंधित अनेक प्रकार के नियम पाए जाते हैं क्योंकि मूल्य बनते एवं
परिवर्तित होते रहते हैं

मूल्य के अंतर्गत मूल्यों का चक्र का नियम पाया जाता है जिसके तहत आधारभूत मूल्यों को पूरा कर लेने के बाद मनुष्य उन मूल्यों के प्रति उदासीन हो जाता है ऐसी स्थिति में नई इच्छाएं साधन लक्ष्य उत्पन्न हो जाते हैं जिसके फलस्वरूप नए - नए मूल्यों को पनपने में योगदान मिलता है।

- किसी समाज एवं संस्कृति के अंदर पाए जाने वाले मूल्यों के बीच परस्पर संघर्ष एवं प्रतिस्पर्धा भी पाई जाती है जो मूल्यों में संसेतरण कीस्थिति उत्पन्न करता है।

- व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत एवं सामाजिक अनुभव एवं परिस्थितियों के अनुसार भी मूल्यों का चयन करता है क्योंकि समाज में एक ही स्थिति से संबंधित मूल्यों में भिन्नता पाई जा सकती है।

- सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण में होने वाले परिवर्तन मानवीय मूल्यों को भी परिवर्तित करने में सहायक होते हैं।

डॉक्टर मुकर्जीका मानना है कि मूल्यों एवं प्रतीकों में भी घनिष्ठ संबंध पाया जाता है क्योंकि प्रतीकों के माध्यम से व्यवहार से संबंधित मूल्योंको अपनाया जाता है

सामाजिक मूल्यके अनुसार ही सामाजिक प्रतिमान का निर्माण होता है सामाजिक व्यवहार को मूल्यों के अनुसार ही कसौटी पर कसा जाता है

सामाजिक एवं प्राकृतिक पर्यावरण में होने वाले परिवर्तन मानवीय मूल्यों में भी परिवर्तन लाते हैं।

मूल्यों का वर्गीकरण

किसी समाज एवं संस्कृत में पाए जाने वाले मूल्यों को विभिन्न विद्वानों ने अपने-अपने ढंग से वर्गीकृत किया है जिसमें प्रोफ़ेसर स्प्रिंगर पेरीजैसे लोगों को सम्मिलित कर सकर्ते हैं।

पैरी ने मूल्यों को 4 वर्गों में वर्गीकृत किया है-

सकारात्मक मूल्य
नकारात्मक मूल्य
विकासवादी मूल्य
वास्तविक मूल्य

- वही स्पेंगर ने मूल्यों को 6 भागों में बांटा है-
- सैद्धांतिक मूल्य

आर्थिक मूल्य

सौंदर्यात्मक मूल्य

सामूहिक वादी मूल्य

सत्ता संबंधी एवं धार्मिक मूल्य

इलियट एवं मैरिल-

1. राष्ट्रवाद की भावना से संबंधित मूल्य
2. मानव के प्रति प्रेम संबंधी मूल्य
3. आर्थिक सफलता से संबंधित मूल्य

चार्ल्स बगल-

1. प्राचीन मूल्य अथवा परंपरागत मूल्य
2. नवीन मूल्य अथवा आधुनिक मूल्य

सी.एम .केस-

सावयवी मूल्य
विशिष्ट मूल्य
सामाजिक मूल्य
सांस्कृतिक मूल्य

डॉ राधा कमल मुकर्जी

मूल्यों को दो प्रमुख भागों में बांटा है-

साध्यमूल्य
साधन मूल्य

साध्य एवं साधन मूल्य

साध्यमूल्य का संबंध व्यक्तिएवं समाज के उच्चतम आदर्शों एवं मूल्यों से संबंधित है जिसके अंतर्गत व्यक्ति कि वे इच्छाएं लक्ष्य आते हैं जिन्हें व्यक्ति या समाज अपने व्यवहार में आत्मसात कर लेता है।दूसरे बहुमूल्य जो अलौकिक सांसारिक लक्ष्यों को पूरा करने के साधन यां यंत्र के रूप में अपनाए जाते हैं साधन मूल्य कहलाते हैं वर्तमान समय में साध्यमूल्यों की अपेक्षा साधन मूल्यों की विवेचना पर विशेष बल दिया जाता है साधन मूल्यों के उचित चयन द्वारा ही साध्य मूल्यों को प्राप्त किया जा सकता है।सत्यम शिवम सुंदरम जैसे मूल्य साध्य मूल्य के अंतर्गत आते हैं जबकि सत्ता , शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से संबंधित मूल्य साधन मूल्यों के अंतर्गत आते हैं